HINDUSTAN TIMES

{ (LU ADMISSIONS 2026-27 }

High competition in pro courses; direct entry into many conventional streams

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: A high demand for professional programmes where students faced a marked competition for seats was observed during admissions to various courses at Lucknow University this year. Most of the entrance exams have been conducted and further process is underway.

While professional streams required entrance examinations and strict monitoring measures like mobile jammers (especially for the BBA LLB entrance exam), the LU issued direct document verification notices for specialised PG courses that saw limited applicant turnout.

Candidates seeking enrolment in specialised technical streams such as artificial intelligence & machine learning, data science & analytics, cyber security & cyber forensics, renewable energy, biostatistics, environmental science, and molecular & human genetics were called directly to verify credentials without competitive screening.

Conventional humanities and language subjects including Sanskrit, linguistics, philosophy, defence studies, Arabic/Arab Culture, Ancient Indian History & Archaeology, Western History, Composite History, French, home science and Urdu similarly bypassed entrance test due to moderate registration matching seat capacities.

While Ancient Indian History & Archaeology, Western History and Composite History had a direct admission, applicants for MA (political science) topped the arts faculty with a maximum of 969 applications, followed by English with 529 applicants, psychology with 507, economics with 439, sociology with 432, medieval and modern history with 340, and master of social work with 320 applicants.

The faculty of law spearheaded the demand in professional, tech-driven, and legal programmes with over 9,000 PG applications, led by a record 6,073 applications for the 3-year LL.B (NEP) and 2,941 for the LL.M programme.

At the undergraduate level, the 5-year integrated BA LL.B received 7,000 applications, pushing the competition to 23 candidates per seat while the newly launched BBA LLB course received 800 applications for 180 seats.

The BBA programme attracted 6,000 applications for 450 seats—a ratio of 17 applicants per seat—while the BCA course recorded 3,800 applications following the introduction of four new specialised tracks.

BSc (agriculture hons) received 900 applications for 150 seats, while MBA and MBA-MTTM programmes collectively generated 2,905 applications. Mainstream core academic degrees also retained strong numbers. MCom registered 985 applications. In science, MSc zoology led with 978 applicants, followed by biotechnology (500 applicants), chemistry (419 applicants), botany (359 applicants), mathematics and forensic science (313 applicants each), microbiology (281 applicants) and physics (259 applicants).

AMAR UJALA

अब पूर्व मुख्य सचिव पढ़ाएंगे प्रशासन का पाठ

लखनऊ विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तहत पहला चयन अनूप चंद्र पांडेय का, विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे लोक प्रशासन

अभिषेक सहज

लखनऊ। प्रशासनिक सेवा का लंबा अनुभव अब लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की पढ़ाई का हिस्सा बनेगा। विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के तहत पूर्व मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय का पहला चयन किया गया है। वे विद्यार्थियों को लोक प्रशासन और शासन-प्रशासन से जुड़े विषय पढ़ाएंगे। उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव से यूजी और पीजी के छात्रों को कक्षा में किताबी ज्ञान के साथ जमीनी प्रशासन की बारीकियां समझने का अवसर मिलेगा।

लविवि की कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा के मुताबिक, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए विशेषज्ञों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसमें प्रशासन, उद्योग, प्रबंधन और विभिन्न क्षेत्रों में लंबे अनुभव

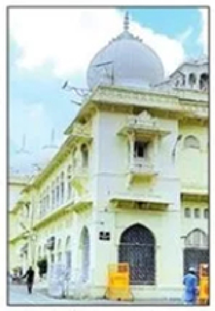

पूर्व मुख्य सचिव अनूप चंद्र पांडेय।

वाले विशेषज्ञों को विश्वविद्यालय से जोड़ने की तैयारी है। सूची में कई सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों और विषय विशेषज्ञों के नाम शामिल हैं। इनका चयन भी जल्द किया जा सकता है।

अनूप चंद्र पांडेय का प्रशासनिक अनुभव व्यापक रहा है। वे उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव के साथ ही केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। ऐसे में उनके अनुभव का लाभ विद्यार्थियों को सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक व्यवस्था, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्णय प्रक्रिया जैसे विषयों को समझने में मिलेगा।

कुलसचिव ने बताया कि विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की व्यवस्था शुरू करने का उद्देश्य अकादमिक शिक्षा को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना है। इसके तहत ऐसे अनुभवी पेशेवरों और विशेषज्ञों को विद्यार्थियों के बीच लाया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया हो। इससे छात्रों को कॅरिअर के साथ-साथ वास्तविक कार्यप्रणाली और चुनौतियों की जानकारी भी मिलती है।

जानिये अनूप चंद्र पांडेय के बारे में

उत्तर प्रदेश कैडर के 1984 बैच के आईएएस अधिकारी अनूप चंद्र पांडेय ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव और भारत के निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्य किया। मैकेनिकल इंजीनियर में बीटेक, मटेरियल मैनेजमेंट में एमबीए और प्राचीन इतिहास में पीएचडी करने वाले अनूप चंद्र पांडेय 14 फरवरी 2024 को सेवानिवृत्त हुए थे।

- **कई और आईएएस व विशेषज्ञ भी कतार में :** विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के लिए तैयार सूची में कई अन्य अनुभवी अधिकारियों और विशेषज्ञों के नाम भी हैं। संबंधित प्रक्रिया पूरी होने के बाद इनके चयन की घोषणा की जा सकती है।
- इससे विश्वविद्यालय में अलग-अलग क्षेत्रों के अनुभवी विशेषज्ञों से पढ़ने का अवसर छात्रों को मिलेगा। एक और पूर्व वरिष्ठ महिला आईएएस अफसर का भी आवेदन विवि को प्राप्त हो चुका है। जल्द ही उनके नाम पर भी मुहर लग सकती है।

AMRIT VICHAR

लखनऊ विश्वविद्यालय

- काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्यकालीन व आधुनिक इतिहास विभाग द्वारा अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विभाग की असिस्टेंट प्रो. डॉ. दीप्ति जायसवाल के नेतृत्व में इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. जायसवाल ने काकोरी की ऐतिहासिक घटना पर विचार साझा किए। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए शोध छात्र देवेश पांडेय व आशीष कुमार मौर्य, शोध छात्रा नीलम जोशी के साथ-साथ परास्नातक की छात्राओं कृतिका, सुहानी, अंशिका और नंदिनी ने काकोरी घटना से जुड़े अनछुए तथ्यों और क्रांतिकारी शहीदों के जीवन संघर्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

DAINIK JAGRAN

लवि के दो छात्र बने अधिकारी

सत्यांश वर्मा व राघव बाजपेयी • स्वयं

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थी सत्यांश वर्मा ने यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर 85वीं रैंक हासिल की है। वह वर्ष 2023-24 सत्र के शोधार्थी हैं। वर्तमान में वह अवध गर्ल्स पीजी कालेज की प्रो. प्रीति अवस्थी के निर्देशन में शोध कर रहे हैं। साथ ही, 64 यूपी बटालियन एनसीसी के कैडेट व लवि के ही बी एस. सी. तृतीय वर्ष के छात्र राघव बाजपेयी ने संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा-द्वितीय 2025 में सफलता हासिल की है। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर पर 229वीं रैंक प्राप्त की है। सेना में कमीशन अधिकारी के रूप में चयनित होकर गौरवान्वित किया है।

NBT

परीक्षा फॉर्म में देरी पर जुर्माना वसूलेगा LU

AI Image

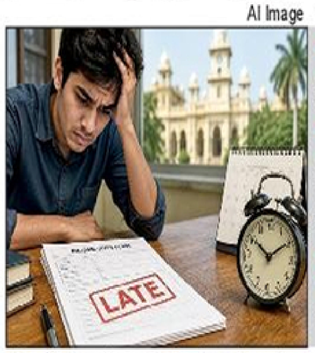

- विवि की ओर से वित्त समिति में दी गई मंजूरी
- हर साल अंतिम तारीख के बाद आवेदन के लिए पोर्टल खुलवाते हैं छात्र
- अब यूनिवर्सिटी ने इसमें आमदनी का बनाया रास्ता

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में अब अगर छात्र समय से परीक्षा फॉर्म नहीं भरेंगे तो उन्हें एक हजार रुपये लेट फीस के रूप में जुर्माना देना होगा। विवि की ओर से नई व्यवस्था को लागू किया किया गया है। इसमें एलयू कैंपस के साथ ही कॉलेजों के छात्रों पर भी नियम लागू होगा। कॉलेजों के परीक्षा फॉर्म और शुल्क भुगतान कॉलेज की ओर से किया जाता है। ऐसे में अगर कॉलेज की ओर से भी समय से शुल्क नहीं भेज गया तो प्रति छात्र एक हजार रुपये के हिसाब से जुर्माना छात्रों को देना होगा। समय से परीक्षा फॉर्म भर सकें और समय से परीक्षाएं हो सकें इसके लिए यह नियम लागू किया गया है।

विवि के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि विवि में हर साल परीक्षा फॉर्म जारी किया जाता है लेकिन अंतिम तारीख के बाद कई बार छात्र आते हैं और परीक्षा से वंचित होने का हवाला देकर तारीख को आगे बढ़वाते हैं। छात्र का भविष्य खराब न हो इसके लिए पोर्टल को बार-बार खोला जाता है। जिससे परीक्षा के संचालन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। नए नियम को विवि की कार्यपरिषद की ओर से भी मंजूरी दे दी गई है।

नेतागीरी पर भी लगेगी रोक : हर साल परीक्षा से ठीक पहले छात्र नेताओं की ओर से भी बार-बार परीक्षा का पोर्टल खोलने की मांग की जाती है। अलग-अलग संगठनों की ओर से अंतिम तारीख बीतने के बाद पोर्टल खोलने का दबाव बनाया जाता है। ऐसे में विवि की ओर से इस साल बिना दबाव के परीक्षा का पोर्टल खोला जाएगा लेकिन उन सबसे जुर्माना लिया जाएगा। इससे विवि की आमदनी में भी इजाफा होगा।